M.A. - II (Economics) New CBCS Pattern Semester-III

EO-307 - Optional Paper : Financial Institute and Market-I

P. Pages : 3 **GUG/S/24/14399**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

Notes : 1. Attempt all questions.
2. All questions carry equal mark.

1. Explain the impact and management of NPA's of commercial Banks. **16**

OR

Explain the banking sector reform adopted in India After 1991.

2. Explain quantitative and qualitative credit controls used by a central compare their effectively. **16**

OR

What are the objectives of financial reform? State its impact.

3. Answer the following questions **any two.** **16**

a) What is the role of financial intermediaries.

b) Explain the importance of financial system.

c) What is financial system? State its structure.

d) Write a note of equilibrium in financial market.

4. Answer the following questions **any two.** **16**

a) What do you understand by returns on assets.

b) Explain different types of risks.

c) Explain different types of return on assets.

d) What is the criteria to evaluate assets.

5. Answer the following questions all compulsory. **16**

a) Explain the indicator of financial development.

b) Differentiate between gross-yield and net-yield.

c) Write a note on profitability of commercial banks.

d) Write the objectives of Monetary policy.

****

M.A. - II (Economics) New CBCS Pattern Semester-III

EO-307 - Optional Paper : Financial Institute and Market-I

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडवा.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. वाणिज्य अधिकोषाच्या एन. पी. ए. चा प्रभाव आणि व्यवस्थापन स्पष्ट करा. **16**

किंवा

1991 नंतर भारतात स्विकारण्यात आलेल्या अधिकोषण क्षेत्रातील सुधारणा स्पष्ट करा.

2. केंद्रीय बँकेच्या परिमानात्मक आणि गुणात्मक प्रत्यय नियंत्रणाच्या साधनांना स्पष्ट करा. त्याच्या परिमाणात्मकतेची तुलना करा. **16**

किंवा

वित्तिय सुधारणेची उद्दिष्टे कोणती आहेत? त्याचे परिणाम सांगा.

3. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा **कोणतेही दोन.** **16**

अ) मुद्रा बाजारात वित्तिय मध्यस्थ यांची भुमिका स्पष्ट करा.

ब) वित्तिय व्यवस्थेचे महत्व स्पष्ट करा.

क) वित्तिय व्यवस्था म्हणजे काय? त्याची सरचना सांगा.

ड) "वित्तिय बाजारातील संतुलन" वर टिप्पणी लिहा.

4. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा **कोणतेही दोन.** **16**

अ) संपत्ती वरील प्राप्तीचा काय अर्थ आहे.

ब) जोखिमांचे प्रकार स्पष्ट करा.

क) संपत्ती वरील प्राप्तीचे विविध प्रकार स्पष्ट करा.

ड) संपत्ती मुल्यमांपनाचे निकष कोणती आहेत.

5. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा (सर्व अनिवार्य) **16**

अ) वित्तिय विकासाचे घटक स्पष्ट करा.

ब) एकूण उत्पन्न व निव्वळ उत्पन्न यातील फरक स्पष्ट करा.

क) वाणिज्य अधिकोषाची लाभप्रदत्तता वर टिप्पणी लिहा.

ड) मौद्रिक नितिची उद्देश स्पष्ट करा.

*****

M.A. - II (Economics) New CBCS Pattern Semester-III

EO-307 - Optional Paper : Financial Institute and Market-I

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न हल कीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. वाणिज्य अधिकोषो के एन. पी. ए. का प्रभाव एवं प्रबंधन स्पष्ट कीजिए। **16**

अथवा

सन 1991 के बाद भारत में स्वीकार किए गए अधिकोषण क्षेत्र के सुधार को स्पष्ट कीजिए।

2. केंद्रीय बँक के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक प्रत्यय नियंत्रण साधनो को स्पष्ट किजिए। उनके प्रभाविता की तुलना कीजिए। **16**

अथवा

वित्तिय सुधारणाओ के उद्देश कौन से है? उनके प्रभाव बताईए।

3. निम्न प्रश्नो के उत्तर लिखिए **कोई दो।** **16**

अ) मुद्रा विपणी मे वित्तिय मध्यस्थ ने कौन भूमिका अदा की है।

ब) वित्तिय व्यवस्था का महत्व स्पष्ट किजिए।

क) वित्तिय व्यवस्था का क्या अर्थ है। उनकी संरचना बताइए।

ड) वित्तिय बाजार से संतुलन पर टिप्पणी लिखिए।

4. निम्न प्रश्नो के उत्तर लिखिए। **कोई दो।** **16**

अ) संपत्ती की प्राप्ती का क्या आशय है।

ब) जोखिम के प्रकार स्पष्ट किजिए।

क) संपत्ति की प्राप्ती के विभिन्न प्रकार स्पष्ट किजिए।

ड) संपत्ति मूल्यांकन के निकष कौन से है।

5. निम्न प्रश्नो के उत्तर लिखिए सभी अनिवार्य। **16**

अ) वित्तिय विकास के घटक स्पष्ट किजिए।

ब) सकल उत्पन्न एवं निव्वळ उत्पन्न मे भेद बताईए।

क) वाणिज्य बँक की लाभ प्रदत्तता पर टिप्पणीया लिखिए।

ड) मौद्रिक निती के उद्देश स्पष्ट किजिए।

****